SHRI H. HANUMANTHAPPA: Because, Delhi is becoming Calcutta as Mr. Vishwa Bandhu Gupta says. We have to save Delhi and in order to save Delhi we can shift some of the burden to down south instead of keeping it only in the north. Then, part (b): Earlier there was a suggestion to have one session of Parliament in the south, in Bangalore, also. Will the Minister consider this proposal ?

SHRI MURASOLI MARAN: I will answer the (b) part first. If you shift Parliament to Bangalore, then Bangalore will become another Calcutta or Delhi. As regards the first part of his question, he wanted to change some of the headquarters to the southern States. I want to remind the honourable Member, when Mr. C. Subramanian was the Food Minister here, he created the Food Corporation and made Madras its headquarters. But later it came over here. So we cannot do anything about it. We have to make a move in the sense that we have to strive at least in future and to relieve the congestion of Delhi, a kind of dispersal is a must.

गुजरात में नैफेड द्वारा प्याज की खरीद

*62. श्री रऊफ वलीउल्लाह : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को गुजरात में प्याज के मूल्य में तेजी से गिरावट आने के कारण नैफेड द्वारा बाजार में हस्तक्षप किए जाने के संबंध में किसानों से कोई अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं ;

(ख) क्या नैफेड को किसानों से प्याज के लिए कहा गया था ; यदि हां, तो उसका प्रति क्विंटल मूल्य क्या है और क्या गुजरात तथा महाराष्ट्र को राज्य सरकारों द्वारा कोई राज सहायता प्रदान की गई है ; यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) गुजरात में अब तक नैफेड द्वारा कितनी मात्रा में प्याज की खरीद की गई है और क्या खरीद का कोई लक्ष्य निर्धारित किया गया है ?

उप-प्रधान मंत्री और कृषि मंत्री (श्री देवीलाल) : (क) यद्यपि गुजरात में प्याज की खरीद के लिए मंडी में हस्तक्षेप करने की योजना के बारे में गुजरात के किसानों से कोई अभ्यावेदन प्राप्त नहीं हुए हैं, तथापि केन्द्रीय सरकार ने गुजरात में प्याज के मूल्यों के गिरने का पूर्वानुमान लगाते हुए दिनांक 17-1-90 को गुजरात सरकार से मण्डी में हस्तक्षेप करने की योजना के अंतर्गत एक प्रस्ताव भेजने का अनुरोध किया है ।

(ख) और (ग) गुजरात सरकार के साथ अंतिम रूप से तय की गई मंडी में हस्तक्षेप करने की योजना के अन्तर्गत भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लि. (नैफेड) को सलाह दी गई है कि वे राज्य की नामजद एजेंसियों के साथ मिलकर अच्छी औसत क्वालिटी का प्याज 70/- रुपए प्रति क्विंटल के मंडी में हस्तक्षेप करने के मूल्य पर खरीदें । प्याज की वर्तमान फ़सल के लिए 15 मार्च 1990 से प्याज की खरीद आरम्भ की जाएगी, जो इस राज्य की मुख्य फसल है । यह योजना 15 मई, 1990 तक चलेगी । यदि इस कार्य में कोई हानि होगी तो उसका वहन केन्द्रीय और राज्य सरकार 50 : 50 के आधार पर करेगी । नैफेड और राज्य की नामजद ऐजेंसियां 20,000 मीटरी टन की लम्बित मात्रा की खरीद करेगी । इसके अतिरिक्त नैफेड ने 19 फरवरी, 1990 से गुजरात में 326 मीटरी टन प्याज वाणिज्यिक आधार पर भी खरीदा है ।

चेयरमैन साहब, गुजरात के किसानों की तरफ से कोई दरख्वास्त नहीं आयी है इन्टरवेंशन की लेकिन इस के बावजूद इन सरकारों ने अपनी तरफ से और नैफेड की तरफ से गुजरात में प्याज खरीदने का फैसला किया ।...

श्री रऊफ वलीउल्लाह : यह बात गलत है । It does not reflect the statement which he has given. The answer does not reflect the statement which has been given to me.

श्री सभापति : चौधरी साहब आपने अपना जवाब नहीं पढ़ा है, जवाब तो पूरा पढ़ लीजिए ।

श्री देवी लाल : मैंने जवाब दे दिया है ।

श्री सभापति : मैंने 62 नम्बर बोला । आप पूरा जवाब तो पढ़ दीजिए ।

श्री देवी लाल : जो कीमतें गुजरात सरकार के साथ तय पायी गयीं उसके हिसाब से नैफेड को सलाह दी गयी कि प्याज की ऐजेंसियों से मिल कर फेयर प्राइस क्वालिटी..... (व्यवधान)

श्री सभापति : रऊफ वलीउल्लाह जी आपने कहा तो वह पढ़ रहे हैं । यह जो कर रहे हैं कायदे के मुताबिक कर रहे हैं । (व्यवधान)

श्री देवी लाल : 15 मार्च 1990 से प्याज की खरीद शुरू की गयी और और 15 मई तक जारी रहेगी । इस खरीद में जो भी नुकसान होगा वह मरकजी सरकार और रियासती सरकार दोनों का आधम-आध होगा । आधा रियासती सरकार बर्दास्त करे और आधा मरकजी सरकार। नैफेड और प्याज ऐजेंसी की मार्फत 20 हजार मीटरी टन प्याज की खरीद करने का निशाना रखा गया है । इसके अलावा नैफेड ने 19 फरवरी, 1990 के बाद गुजरात में प्याज खरीदने का फैसला किया है ।

श्री रऊफ वली उल्लाह : यह जवाब तो मेरे पास है ।

श्री सभापति : आपने ही कहा था कि पढ़ा नहीं । (व्यवधान)

श्री रऊफ वलीउल्लाह : उन्होंने जो कहा है वह रिफ्लेक्ट नहीं हुआ है इस स्टेटमेंट से (व्यवधान)

श्री देवी लाल : मैंने सवाल का जवाब दे दिया है । अब वे सप्लीमेंटरी करें तो मैं जवाब देने के लिए तैयार हूं ।

श्री सभापति : आपने कहा कि उन्होंने उत्तर पढ़ा नहीं । अब उन्होंने उत्तर पढ़ दिया है । आप सप्लीमेंटरी पूछिये ।

श्री रऊफ वलीउल्लाह : मैंने कहा कि the answer is already tabled.

श्री सभापति : आप सप्लीमेंटरी पूछिये ।

SHRI RAOOF VALIULLAH: Sir, onion is a major crop in the State of Gujarat. Over the past two months, the farmers have been selling their produce in distress sale. Sir, the market intervention scheme has been implemented only from yesterday, the 15th March, only when this question was asked for today. And that too the price is fixed at Rs. 70 per quintal of fair average quality which is far less than the prevailing market price of Rs. 250 per quintal. Sir, the control price even today is rupees three a kg. I would like to know what is the rationale in fixing such a meagre price.

श्री देवी लाल : मैंने इसका जवाब दिया है कि गुजरात सरकार की तरफ़ से कोई रिप्रेजेंटेशन नहीं आया था, लेकिन इसके बावजूद महाराष्ट्र.... (व्यवधान)

SHRI RAOOF VALIULLAH: No, Sir. What has it to do with the State Government of Gujarat?

श्री देवी लाल : मैं इसका जवाब दे रहा हूं, इसकी बैकग्राउण्ड बता रहा हूं... (व्यवधान)

श्री सभापति : उन्होंने यह बताया है कि उनके पास प्रदेश शासन से कोई बात नहीं आई थी । इसलिए आपके "नो" कहने से कोई मतलब नहीं निकलता है ।

श्री रऊफ वलीउल्लाह : 70 रुपए करने का राशनेल क्या है जब कि ढाई सौ पर क्विंटल है ?

श्री देवी लाल : इसका जवाब दे रहा हूं। आपने क्या फ़रमाया कि 235 रु. का भाव है। हमने इसको 70 रु. में लिया है। गुजरात सरकार से कोई रिप्रेजेंटेशन नहीं मिला। मैंने अपने तौर से महाराष्ट्र गवर्नमेंट को टेलीफ़ोन भी किया और इनके साठे साहब तीन-चार एम. पीज. के साथ मुझे से मिले भी थे। मैं उनसे कहा कि आधा नुकसान रहेट सरकार बर्दाश्त करे और आधा सेंटर दोस्त करने के लिए तैयार है। इसके बावजूद 70 रु. में खरीद का फ़ैसला किया गया। उधर से कोई जवाब नहीं आया। यही गेरात की बात है। भावों को गिरने रोकने का इंतजाम किया गया है। इसको रोकने के लिए स्टोरेज का इंतजाम किया जाय, यह कहा गया है। किसान की फसल को इकट्ठा रखा जाय और उचित भाव पर बेचा जाय और किसानों को लोन भी मिल सके। हमने यह फ़ैसला किया। पहले की कार्यवाही इनकी सरकार की तरफ़ से थी। उसको बदल कर हम स्टोरेज का इंतजाम कर रहे हैं।

श्री रऊफ वलीउल्लाह : मैंने यह सवाल पूछा है कि 70 रु. करने का राशनेल क्या है? बाजार में भाव ढाई सौ रुपये है। 70 रु. का लोजिक क्या है?

श्री देवी लाल : लोजिक बताता हूं। लोजिक यह है कि आपकी सरकार ने किसानों की तरफ़ ध्यान नहीं दिया था। हमने यह फ़ैसला किया है ... **(व्यवधान)** शोर मत मचाओ, मेरी बात सुनो। मैंने तुम्हारे लिए क्या कुछ किया है, यह बता रहा हूं।

श्री सभापति : चौधरी साहब, यह बताइये कि 70 रु. का रेट किसने मुकर्रर किया? पहली गवर्नमेंट ने या आपने?

श्री देवी लाल : पहले 40 रु. था, हमने 70 रु. में खरीदना शुरू किया है।

श्री सभापति : वे बता रहे हैं कि पहले 40 रु. था। इन्होंने 70 रु. कर दिया।

SHRI RAOOF VALIULLAH: Sir, that is a patent*** *(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: That word is unparliamentary.

SHRI RAOOF VALIULLAH: Not*** but untruth.

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: Sir, he should not express the word*** It is unparliamentary.

MR. CHAIRMAN: I myself objected to it.

श्री देवी लाल : असत्य बोलने की आपको ट्रेनिंग दी गई है। असत्य आप सदा बोलते रहते हैं। ... **(व्यवधान)** मैं महाराष्ट्र की बात कह रहा हूं कि महाराष्ट्र सरकार ने जब अप्रोच किया... **(व्यवधान)**

SHRI RAOOF VALIULLAH: One of the Members had even said that in Maharashtra it was selling at Rs. 90/-.

श्री देवी लाल : मैं गुजरात सरकार की बात कह रहा हूं कि गुजरात की सरकार ने कुछ नहीं किया। अब चिमन भाई पटेल ने मेरे से यह मांग की है। इस वास्ते हमने 60 के बजाय 70 से खरीदने का फ़ैसला किया है। जो 60 का भाव था उसको 70 के भाव से खरीदने का फ़ैसला किया है। ...**(व्यवधान)**...

श्री पवन कुमार बांसल : अभी 40 कह रहे थे और अब 60 कहना शुरू कर दिया। ....**(व्यवधान)**....

श्री सभापति : वह चिमन भाई की बात कर रहे हैं। उन्होंने जो कहा वह आपने सुना नहीं। वह चिमन भाई की बात कर रहे हैं।

SHRI RAOOF VALIULLAH: Sir, I have also asked in my ori-

***Expunged as ordered by th Chair.

ginal question whether there is any element of subsidy to be given by the Central Government.

श्री सभापति : उन्होंने जो कहा वह भी सुनें । वे कह रहे हैं कि वे चिमन भाई पटेल से बात कर रहे हैं चीफ मिनिस्टर गुजरात में । ... (**व्यवधान**)

श्री रऊफ वलीउल्लाह : मुझे कोई आपत्ति नहीं है लेकिन 250 रुपये क्विन्टल का भाव है ... (**व्यवधान**) ...

श्री देवीलाल : मैं उनको जवाब यह दे रहा हूं कि यह गुजरात की विधान सभा नहीं है । यह सारे हिन्दुस्तान की सभा है । मैं बता-रहा हूं कि लोक सभा में महाराष्ट्र सरकार से कोई डिमांड नहीं आई थी । एग्रीकल्चर मिनिस्ट्री के पास अब चिमनभाई पटेल की डिमांड आई है । पहले 43 रुपये क्विंटल का भाव था और अब 60 रुपये क्विंटल है । इसका मोल बढ़ाने के लिये मैंने जो बताया वह यह है कि हम इंतजाम कर रहे हैं प्याज को स्टोर कर ने के लिए कि प्याज के स्टोरेज का कोई इंतजाम किया जाय । आपकी सरकार ने अभी तक कुछ नहीं किया था ।

श्री रऊफ वलीउल्लाह : मैंने स्टोरेज की बात नहीं की थी कि करेंगे या नहीं करेंगे । मैंने स्टोरेज की बात ही नहीं की मैंने पूछा था कि 250 रुपये क्विंटल बिक रहा है तो 70 रुपया करने का क्या मतलब है ।

श्री सभापति : उन्होंने कहा कि वे ज्यादा बढ़ाने के लिये तैयार हैं बशर्ते कि स्टेट गवर्नमेंट उसमें आधा खर्चा दे । यही है ना !

श्री देवीलाल : यही है । आधा हम देने के लिये तैयार हैं । आप हम पर क्यों जोर डालते हो । अपनी सरकार पर जोर डालो । आपकी सरकार जितना नुकसान बर्दास्त करेगी उतना ही सेंट्रल की सरकार बर्दास्त करने को तैयार है । ... (**व्यवधान**)

श्री सभापति : आपकी सरकार से मतलब है स्टेट गवर्नमेंट से । यह कोई पार्टी का सवाल नहीं है ।

SHRI RAOOF VALIULLAH : I am asking whethr there is an element of subsidy in it. I am not asking who is going to bear the losses.

श्री सभापति : जो दाम बढ़ायेंगे अगर उसमें से आधा प्रदेश शासन देने के लिय तैयार हो तो आधा ये देंगे । यही तो कहा है आपने । आपका सवाल तो खत्म हो गया ।

श्री देवी लाल : मौजूदा वक्त में या इससे पहले 250 रुपये ... (**व्यवधान**)

श्री रऊफ वलीउल्लाह : यह तो साल की बातें हैं । मैं फिफ्टी-फिफ्टी की बात नहीं कर रहा हूं । मैं सब्सिडी की बात कर रहा हूं । ... (**व्यवधान**) ...

श्री देवी लाल : मैं यही कह रहा हूं आनरेबल मेंबर से कि जितनी सहायता आप चाहते हो उसमें आधा नुकसान स्टेट का होता है और आधा हम बर्दास्त करने के लिए तैयार हैं । 250 का भाव इस वक्त है नहीं । 70 का कम से कम भाव है । जितना मार्केटिंग फैडरेशन की तरफ से खरीदेंगे उतना हाफेड खरीदने के लिय तैयार है ।

श्री सभापति : श्री बी. एम. जाधव ।

श्री रऊफ वलीउल्लाह : मेरा सैंकंड सप्लीमेंटरी नहीं हुआ ।

श्री सभापति : हो गया ।

श्री विट्ठलराव माधवराव जाधव : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं ..

श्री पवन कुमार बांसल : उप-प्रधानमंत्री ।

श्री विट्ठलराव माधवराव जाधव : उप-प्रधान मंत्री लेकिन कृषि मंत्री तो हैं ही । मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि वसंत साठे साहब के नेतृत्व में जो शिष्टमण्डल उनको मिला था, आज के अखबार में खबर है कि माननीय उप-प्रधानमंत्री ने कहा कि प्याज का हम 120 रुपये प्रति क्विंटल भाव देंगे ।

महाराष्ट्र में प्याज का बहुत बड़ा प्रोब्लम है । पूना, नासिक, अहमदनगर बहुत बड़ा एरिया है जहां प्याज का प्रोडक्शन होता है । महाराष्ट्र में नाफेड की खरीद मशीनरी इतनी कमजोर है कि हमेशा प्याज वहां सड़ जाता है, रास्ते पर पड़ा रहता है । अगर कभी आप पूना और सिरूर से गुजरें तो आपको पता चलेगा कि प्याज की इतनी बुरी बू आती है । नाफेड के अधिकारी जो प्याज खरीदते हैं, उसका स्टोरेज नहीं कर सकते । मेरे दो सवाल हैं । पहली बात तो यह है कि साठे साहब से आपने यह कहा था कि 120 रुपये प्रति क्विंटल भाव देंगे लेकिन आज आप 70 रुपये क्विंटल दे रहे हैं । आप कह कुछ रहे है और कर कुछ रहे हैं । मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या आप महाराष्ट्र में 120 रुपये क्विंटल प्याज का भाव देंगे ? दूसरा सवाल यह है कि आप के पास स्टोरेज का क्या इन्तजाम है क्योंकि जो प्याज आप खरीदते हैं उसको स्टोर करना भी राष्ट्रीय समस्या है ।

श्री देवी लाल : चेयरमैन साहब, मैं अर्ज करना चाह रहा हूं कि हम जो कहते हैं वही करते हैं (व्यवधान) हमने जो मैनीफैस्टो रखा है कि उस मैनिफस्टो के मुताबिक तमाम डिपार्टमेंट को सर्कुलेट कर दिया है कि फैसला करते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि हमने क्या घोषणाएं की हैं जहां तक प्याज का सवाल है, मेरे पास साठे साहब आए थे । चार पांच मैम्बर और भी थे, शायद माननीय सदस्य भी होंगे । मैंने उन से क्लियर कहा था आप अपनी मार्केटिंग फेडरेशंस से जितना खरीद करोगे हम उतना नाफेड की तरफ से खरीद करेंगे । हमारी नाफेड की तरफ से खरीद जारी है । आईंदा के लिए हमने इंतजाम किया है, पहले भी मैं अर्ज कर चुका हूं कि किसान को ज्यादा से ज्यादा उचित भाव मिले । मैं समझता हूं, वहां प्याज की बहुत अहमियत है । वहां प्याज का एजीटेशन भी चलाते रहे हैं शरद जोशी जी । हमने परसों ही शरद जोशी जी की प्रधानता में एक कमेटी गठित की है जो इन सारे मामलात पर विचार करेगी और जो रिकमेंडेशन वह करेगी वह रिकमेंडेशन लाजमी होगी । इससे ज्यादा हम क्या कर सकते हैं । (व्यवधान)

श्री सभापति : क्या आपने 120 रुपए का वायदा किया था ?

श्री देवी लाल : मैंने कहा था जितना आप खरीदोगे उतना हम खरीदेंगे (व्यवधान)

श्री सभापति: तो 120 का आपने वायदा नहीं किया था ।

श्री विट्ठलराव माधवराव जाधव : वह तो एक्सपैंडीचर की बात है । दाम तो स्टेट गवर्नमेंट नहीं दे सकती (व्यवधान) दाम देना आपका काम है (व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र वर्मा : क्या माननीय मन्त्री जी (व्यवधान)

श्री पवन कुमार बांसल : आप जवाब दे रहे हैं (व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र वर्मा : मैं प्रश्न पूछ रहा हूं (व्यवधान) क्या माननीय मंत्री जी को जानकारी है (व्यवधान) जब भाव नीचे गिरते हैं तभी गवर्नमेंट सपोर्ट प्राइस पर खरीदना प्रारम्भ करती है । अगर ढाई सौ रुपए क्विंटल जैसे कि माननीय सदस्य ने बताया, अगर प्याज का यह भाव गुजरात में चल रहा है तो फिर किस आधार पर गवर्नमेंट ने प्राइस सपोर्ट पालिसी के आधार पर खरीदना तय किया, अगर भाव ज्यादा हैं तो ? मेरे ख्याल से एक इनफारमेशन जरूर गलत है, या ढाई सौ वाली सूचना बिलकुल गलत है (व्यवधान) माननीय मन्त्री जी ने बताया कि चार पांच एम. पी. उनसे मिले । 40–60 रुपये का भाव था तब उन्होंने 70 रुपये तय किया है, क्या यह सही है ? प्राइस सपोर्ट पर उन्होंने इसी भाव से खरीदना शुरू किया है । भाव काफी नीचे जा चुके थे । जिस दिन भाव लाभप्रद हो *जाएंगे उस दिन भारत सरकार सपोर्ट प्राइस* पर नहीं खरीदेगी । (व्यवधान)

श्री विट्ठलराव माधवराव जाधव : यह सवाल है या जवाब ? (व्यवधान)

श्री देवी लाल : मैं इस पर जवाब दे रहा हूं । साठे साहब से मेरी बातचीत हुई थी ।

साठे साहब ने कहा था 130 रुपये पर खरीदो। मैंने नहीं कहा था। मैं माननीय सदस्य से कह रहा हूं जोशी साहब कमेटी के प्रेजीडेंट हैं और उसमें वर्मा जी मेम्बर हैं। मैं यह बता रहा हूं यह जो फैसला करेंगे इनकी एडवाइस पर गौर किया जाएगा। जहां तक प्याज का ताल्लुक है, जब प्याज निकलता है तो उस वक्त भाव सस्ता होता है। उस वक्त स्टोर करने के लिए हर जगह इन्तजाम हो जाए। ताकि अच्छे भाव में किसान बेचे जिससे उसको और मिल सके।

श्री सभापति : इस वक्त क्या भाव है प्याज का, असल में वर्मा जी का वह सवाल है।

श्री देवी लाल : इस वक्त प्राइस सपोर्ट से ज्यादा कीमत है... (**व्यवधान**) प्राइस सपोर्ट है 70 रुपये... (**व्यवधान**)

श्री सभापति : और भाव क्या है। वर्मा जी कह रहे हैं कि जब भाव नीचे गिरता है तो भाव नीचे न गिरे इसलिये सपोर्ट प्राइस होती है। वर्मा जी का यही कहना है। इसीलिए उनका यह कहना है कि भाव तो फिर सब्सिडी के नीचे होने चाहिए ... (**व्यवधान**)

श्री देवी लाल : मैं अभी बता देता हूं। सन् 1989 में ज्यादा से ज्यादा 145 था और कम से कम 102 था अब फरवरी, 1990 में 68 भाव है सपोर्ट प्राइस और 43 कम से कम भाव है। यह पोजीशन है।

श्री सभापति : बाजार में इस वक्त 43 में मिल रहा है?

श्री देवी लाल : ज्यादा से ज्यादा कीमत मैंने बतायी कि... (**व्यवधान**) मैं यह बता रहा हूं कि 43 रुपये भाव था 70 रुपये सपोर्ट प्राइस है,.. (**व्यवधान**) 68 रुपये का भाव है इस वक्त... (**व्यवधान**) मारकेट का भाव मैंने बतलाया कि 43 रुपये से 68 रुपये है इस वक्त।

श्री सभापति : बाजार में भाव है इस वक्त 43 रुपये और 68 रुपये के बीच में, ढाई सौ रुपये नहीं है?

श्री देवी लाल : नहीं। ढाई सौ रुपये नहीं है। ढाई सौ तो मैं पुराना बता रहा हूं।

श्री दीपेन घोष : ढाई सौ रुपये हो ही नहीं सकता है। मगर ढाई सौ रुपये हो जाये तो सपोर्ट प्राइस की जरूरत ही नहीं पड़ती... (**व्यवधान**)

श्री सभापति : वही वर्मा जी कह रहे हैं ... (**व्यवधान**)

SHRI NATHU RAM MIRDHA: I am the concerned Minister of Civil Supplies. I will let you know the whole position. (*Interruptions*).

श्री देवी लाल : और शोर कर लो। जब सप्लाई मिनिस्टर जवाब दे रहे हैं, मैं जवाब दे रहा हूं तो आप शोर मचा रहे हैं (**व्यवधान**) सप्लाई मिनिस्टर जब जवाब दे रहे हैं तो उनका जवाब सुनिये।

श्री सभापति : ज्यादा चिल्लाने से काम तो नहीं बनता है... (**व्यवधान**) समझ में ही कुछ नहीं आ रहा है... (**व्यवधान**) सवाल जो है इस वक्त वह इतना है... (**व्यवधान**) आप लोग चुप हो जाएं तो मैं जहां तक समझा हूं वह मेरी समझ की बात सुन लें। मेरी समझ में वर्मा जी ने प्रश्न उठाया था कि (**व्यवधान**) इस वक्त भाव जो है इससे नीचे है तभी सपोर्ट प्राइस लगायी जाती है। सपोर्ट प्राइस माने है ताकि भाव नीचे न जाये वे कह रहे हैं कि यह तो ढाई सौ रुपये का भाव है यह गलत होना चाहिए। भाव तो इस वक्त आपने जितना रखा है उससे नीचे है, तभी आपका सपोर्ट प्राइस इसलिए आप सिर्फ इतना बता दें कि गुजरात में इस वक्त प्याज का भाव क्या है। इससे वर्मा जी के सवाल का भी जवाब हो जाता है इनके सवाल का जवाब भी हो जाता है।

श्री देवी लाल : गुजरात में भाव इस वक्त 68 रुपये है।

श्री सभापति : बाजार में 68 रुपये है वह 40 ... (**व्यवधान**)) है, दैटस् आल (**व्यवधान**) वे चाहते हैं कि 40 रुपये से नीचे न गिरे... (**व्यवधान**)

श्रीमती मनोरमा पाण्डेय : मेरा एक तो जवाब मंत्री जी ने दिया। हमने चाहा था कि वसंत साठे जी जब इनसे मिले थे तो क्या इन्होंने यह आश्वासन दिया था कि 120 रुपये कर देंगे जबकि इन्होंने उसको 68 से 70 रुपये किया। मुझे इसी का जवाब चाहिए।

श्री देवी लाल : मैं आनरेबल मेम्बर को इसका जवाब दे चुका हूं कि साठे साहब ने कहा था कि 120-130 रुपये प्रति क्विंटल था, जिस पर आपकी सरकार खरीदेगी। **(व्यवधान)**

श्रीमती मनोरमा पाण्डेय : आपने यह कहा था।.... **(व्यवधान)**

श्री सभापति : उस पर बहस करने की जरूरत नहीं है। वह जो कह रहे हैं, वह तो सुनिये।

श्री देवी लाल : मैं जो कह रहा हूं, वह तो मानिये।... **(व्यवधान)**

श्री विट्ठलराव माधवराव जाधव : यह तो सारे अखबारों में आया है।

श्री देवी लाल : अखबारों में तो बहुत कुछ आता है। अखबार में मेरे बारे में ... **(व्यवधान)**

श्री विट्ठलराव माधवराव जाधव : अखबारों में जो कुछ आता है, क्या वह गलत होता है?

श्री देवी लाल : यह भी पोजीशन मैं थोड़ी क्लियर कर दूं!... **(व्यवधान)**

श्री सभापति : वह कह रहे हैं कि जो वह कह रहे हैं, वह सही है। आप हाऊस में उनकी बात पर जाइये।... **(व्यवधान)**

श्री देवी लाल : अखबार के नुमाइंदों, मेरी बात सुन लो। अखबार है पूंजीपतियों के:— बिरला के, डालमिया के और टाटा के:— उन्होंने इस चीज को छिपाने के लिए कि आपकी गुजरात में कितनी हार हुई है, किस ढंग से आपकी बिहार में तथा राजस्थान में शिकस्त हुई है, उसकी बजाए मेहम ऊपर ले आए। क्या उनके इस ढंग से तुम्हारी ... **(व्यवधान)**

श्री सभापति : आप मेहम यहां ले आए? क्या प्याज का मेम से कोई ताल्लुक है? ... **(व्यवधान)**

श्री देवी लाल : यह गुजरात को ला रहे हैं और मैं कह रहा हूं कि अखबार तो इस बात को छिपाने के लिए... **(व्यवधान)**

श्री सभापति : मेहम तो हरियाणा में है। आप प्याज के साथ इसको क्यों मिला रहे हैं?

श्री देवी लाल: यह ला रहे हैं। उनके सामने अखबार की खबर है। यह कहते हैं कि **(व्यवधान)** सभापति जी मेरी बात सुनिये यह कहते हैं कि अखबारों में खबर छपी है। मैं अखबारों की जांच-पड़ताल तो मंगवा लूं। अखबारों में तो यह खबरें छपती हैं ताकि गुजरात की, बिहार की इनकी सारी शिकस्त, जहां से यह लड़े हैं:—और मेहम की तो मैं एक मिसाल दे रहा हूं।... **(व्यवधान)**

श्री सभापति : प्याज के बारे में अखबार की खबर ठीक नहीं है।

श्री सुरेन्द्र सिंह : सभापति जी, जब कभी भी उप-प्रधान मंत्री, श्री देवी लाल जी, टेलीविजन पर, या जब वह पब्लिक प्लेटफार्म पर बोलते हैं, तो एक बात वह हमेशा कहते हैं। ... **(व्यवधान)** मैं सप्लीमेंट्री ही पूछ रहा हूं, श्री देवी लाल जी कहते हैं कि इस बार पार्लियामेंट में, लोक सभा में 300 से ज्यादा मेम्बर ... **(व्यवधान)**

श्री सभापति : हम राज्य सभा में बैठे हैं।

श्री सुरेन्द्र सिंह:...देहात से आये हैं और योजना का 50 फीसदी पैसा मुजरा एग्रीकल्चर पर लगाया जाएगा। ... **(व्यवधान)** यह तो श्री देवी लाल

जो बतायेंगे कि वह एग्रीकल्चरिस्ट के बारे में क्या सोचते हैं ?

यह एग्रीकल्चर का सवाल है, आप इसे थोड़ा समझिये... (व्यवधान)

मैं उप-प्रधान मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा—वह खुद भी किसान हैं—कि क्या 70 रुपये प्रति क्विंटल कीमत जो प्याज की है उन्होंने तय की है, वह अपने खुद दिमाग से सोच कर इस सदन को बतायें कि क्या यह किसान के लिए लाभप्रद है ?

इसके साथ ही दूसरी चीज जो मैं उप-प्रधान मंत्री जी से पूछना चाहता हूं, वह यह है कि... (व्यवधान)

श्री देवी लाल: यह तो स्पीच दे रहे हैं।

श्री सुरेन्द्र सिंह : दूसरी बात जो मैं उप-प्रधान मंत्री जी से जानना चाहूंगा वह यह है कि किसी चीज के बारे में भी गवर्नमेंट जो सपोर्ट-प्राइस तय करती है, जैसे चने के बारे में 350, 375 रुपये तय किया, लेकिन सिरसा में चना 600 रुपये बिक रहा है, सोनीपत में 700 रुपये बिक रहा है, तो इसी तरह से मैं जानना चाहूंगा कि क्या इसी तरह से इन्होंने तमाम ग्रेंस की और वेंजिटेबल्स की सपोर्ट-प्राइस लाभप्रद तय की है। उप-प्रधान मंत्री जी 70 रुपये के बारे में पाजिटिव्ली बयान देंगे कि यह किसान के लिए लाभप्रद है कि नहीं है ?

श्री देवी लाल : सभापति जी, जिस प्याज का यह जिक्र करते हैं, हमारे भिवानी, हरियाणा में प्याज होता ही नहीं है। प्याज होता है गुजरात और महाराष्ट्र में, और वहां मैं चार दफा हो आया हूं। वहां के हालात समझ करके मैंने यह फैसला किया है कि गुजरात से महाराष्ट्र से ताल्लुक रखने वाले जो लीडर हैं, उनको प्रेजीडेंट बनाया जाए और मुख्तलिफ सूबों को मिला करके एक कमेटी बनाई है वह इस बात का फैसला करेगी।... (व्यवधान)

श्री सभापति आप अध्ययन कर रहे हो कि लाभप्रद प्राइस मिले ?

श्री देवी लाल : मैं वही जवाब दे रहा हूं कि लाभप्रद भाव नहीं हैं। वह होने चाहिए। इसके लिए कमेटी फैसला करेगी। उसके साथ-साथ हम भी कोशिश कर रहे हैं ताकि किसान को ज्यादा-से-ज्यादा फायदा पहुंचे।

श्री सभापति : वह जल्दी-से-जल्दी कोशिश करेंगे कि अच्छी लाभप्रद प्राइस मिले।

Workers' participation in management

*63. SHRI P. N. SUKUL : Will the Minister of LABOUR be pleased to state :

(a) whether any discussions were held recently with representative bodies of commerce and industry regarding workers' participation in management in the industrial sector or whether any seminars were held on the subject;

(b) if so, the results thereof ; and

(c) whether Government propose to introduce any legislation on the subject ?

THE MINISTER OF LABOUR AND WELFARE (SHRI RAM VILAS PASWAN) : (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

A National Seminar on Labour Participation in Management was held in New Delhi on 8-9 th January, 1990. It was attended by a wide cross section of persons from public life and repesentatives of employers' and workers' organisa-